हिंदी विभाग

एवं

अग्रणी महाविद्यालय योजना (अंतर्गत)

नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में

देवनागरी लिपि महत्व एवं उपयोगिता विषय

पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला

२९ मार्च, २०२२

इतिवृत्त (Report)

हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में और अग्रणी महाविद्यालय योजनान्तर्गत एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला दि. 29 मार्च को संपन्न हुई। इस कार्यशाला में ***देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता*** इस विषय पर अनुसंधान हेतु विचार मंथन हुआ। इस समारोह के लिए मुख्य अतिथि एवं संसाधन व्यक्ति के रुप में नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के महामंत्री डॉ हरि सिंह पाल उपस्थित थे। नागरी लिपि परिषद की स्थापना एवं उसके विकास पर महामंत्री ने अपना मंतव्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश हित एवं राष्ट्रीय एकता के लिए एक भाषा आवश्यक होती है उसी तरह एक लिपि भी आवश्यक होती है। देश के लिए जिस एक लिपि की आवश्यकता है, वह देवनागरी है। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ की एवं संसाधन व्यक्ति डॉ. मुक्ता कौशिक ने अपना मंतव्य देते हुए कहा देवनागरी लिपि विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि है। गुजरात से एवं संसाधन व्यक्ति डॉ. शोभना जैन ने देवनागरी लिपि का संपूर्ण इतिहास श्रोताओं के सामने रखा। समारोह के अध्यक्ष एवं संसाधन व्यक्ति नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के कार्याध्यक्ष डॉ शहाबुद्दीन शेख जी ने राष्ट्रीय एकता के लिए केवल देवनागरी लिपि के महत्व पर प्रकाश डाला. देवनागरी लिपि की उपयोगिता के सभी आयामों पर उन्होंने चर्चा की। अध्यक्षीय मंतव्य से पहले डॉ सिराज शेख और प्रा. श्रीमती मुल्ला मैडम ने कुछ जिज्ञासाए व्यक्त की और इन जिज्ञासाओं का समाधान वक्ताओं ने किया। कार्यशाला का समन्वयन डॉ सिराज शेख ने किया। इसका संयोजन हिंदी विभाग प्रमुख श्रीमती मुल्ला मैडम ने किया। सह संयोजन डॉ महेश बनकर ने किया। इस कार्यशाला के लिए विशेष मार्गदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजयसिंह सावंत, उप प्राचार्य डॉ विजय वाड़ते, अग्रणी महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ नितिन निकम और तकनीकी सहायक केतन जाधव से मिला। इस कार्यशाला में देश के लगभग सभी राज्यों से लोग जुड़े थे। देश विदेश से लगभग २९५ लोगो की प्रतिक्रियाये प्राप्त हुई.अत:नागरी लिपि पर अनुसंधान के रूप से विचार-विमर्श हुआ और इस कार्यशाला का आयोजन सफल रहा।

Head
Department of Hindi
D. P. Bhosale College, Koregaon

D. P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

रयत शिक्षा संस्था द्वारा संचलित

डी.पी,भोसले कॉलेज कोरेगांव

हिंदी विभागऔर नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तथा

अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत

आयोजित कार्यशाला

"देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"

29 मार्च,२०२२

कार्यपत्रिका

❖ प्रस्तावना : प्रा.श्रीमती मुल्ला आर. के.
हिंदी विभागाध्यक्षा.

❖ अतिथि परिचय एंव स्वागत : डॉ.शेख सिराज हसन .

❖ बीजभाषक : **डॉ शहाबुद्दीन शेख,**
कार्यकारी अध्यक्ष, नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली.

❖ प्रमुख अतिथि : **डॉ हरिसिंह पाल,**
महामंत्री, नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली.

❖ **प्रमुख वक्ता** : **डॉ शोभना जैन,**
आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, व्यारा जि . तापी (गुजरात)

❖ **प्रमुख वक्ता** : डा. मुक्ता कौशिक,
ग्रेसियस शिक्षा महाविद्यालय,रायपुर (छत्तीसगढ़).

❖ सत्राध्यक्ष मंतव्य : डॉ. विजयसिंह सावंत
प्रधानाचार्य, डी.पी,भोसले महाविद्यालय,कोरेगांव

❖ कृतज्ञता ज्ञापन : डॉ महेश रामचंद्र बनकर

❖ सूत्रसंचालन : श्री हरि पोरे

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

डी.पी. भोसले कॉले, कोरेगाव जि. सातारा (महाराष्ट्र)

❖ **Reaccredited at 'A' Grade (CGPA: 3.12) by NAAC, Bangalore**

❖ **RUSA Beneficiary College. Certified ISO 9001:2015**

हिंदी विभाग

❖ डी. पी. भोसले कॉलेज, कोरेगाव, सातारा और भारत की आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की अग्रणी महाविद्यालय योजना अंतर्गत हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान मेंमंगलवार,

दि. २९ मार्च,२०२२ प्रात: ११:३० बजे

❖ **आयोजित....**

❖ एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाईन कार्यशाला

❖ विषय- देवनागरी लिपि : महत्त्व एवं उपयोगिता

डॉ.हरिसिंह पाल
महामंत्री,
नागरी लिपि परिषद्,
नई दिल्ली

डॉ.शहाबुद्दीन शेख
कार्याध्यक्ष,
नागरी लिपि परिषद,
नई दिल्ली

डॉ.मुक्ता कौशिक
असो.प्रोफेसर,
ग्रेसियस शिक्षा कॉलेज ,
रायपुर (छत्तीसगढ़).

डॉ.शोभना पी.जैन
असो.प्रोफेसर,
आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज,
व्यारा (गुजरात)

श्रीमति राबन मुल्ला
स्वागताध्यक्ष,
हिंदी विभागाध्य

डॉ. नितीन निकम
चेअरमन,
अग्रणी महाविद्यालय योजना

डॉ.विजयसिंह सावंत
प्राचार्य ,
डी.पी.भोसले कॉलेज, कोरेगांव

भवदीय,

❖ **प्राचार्य , हिंदी विभागाध्यक्ष ,डॉ.सिराज शेख,डॉ.महेश बनकर,डॉ.विजय वाडते,केतन जाधव,**

❖ संयोजक,समन्वयक ,सहसंयोजक (मो.९०११४४४०५९)संयोजन समिती सदस्य उप प्रधानाचार्य तकनीकी सहाय

❖ **पंजीकरण लिंक :https://forms.gle/npqZvZNZYx7qS1HT8**

❖ **गूगल मीट लिंक :https://meet.google.com/xbc-pjbf-dqk**

❖ **व्हाट्सअप लिंक : https://chat.whatsapp.com/KSfb1hh56mf9qDHaN1H0yq**

D.P BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer
Estd: 1968 RayatShikshan Sanstha's,

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)
☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - www.dpbck.ac.in

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. 1258/2021-22 Date:28/3/2022

सेवा में,
डॉ शहाबुद्दीन शेख,
कार्यकारी अध्यक्ष, नागरी लिपि परिषद,
नई दिल्ली.

विषय : बीजभाषक के रूप में उपस्थित रहने हेतु.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत एक दिवशीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इस कार्यशाला में **"नागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर विचार मंथन होना आवश्यक है. इस कार्यशाला में आप को बीजभाषक के रूप में चयन किया है. अतः आप से सविनय अनुरोध है कि, दि. २९ मार्च, २०२२ को आभासी मंच पर उपस्थित रहकर हमारे छात्रों एवं जिज्ञासुओ का मार्गदर्शन करे और हमे लाभान्वित करे.

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D. P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer
Estd: 1968 **RayatShikshan Sanstha's,**

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)
☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - www.dpbck.ac.in

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. : 1259/2021-22 Date:28/3/2022

सेवा में ,
डॉ. हरि सिंह पाल,
महामंत्री, नागरी लिपि परिषद,
नई दिल्ली.

विषय : मुख्य अतिथि मार्गदर्शक अतिथि के रूप में उपस्थित रहने हेतु.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत एक दिवशीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इस कार्यशाला में **"नागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर विचार मंथन होना आवश्यक है. प्रस्तुत कार्यशाला में आप का मुख्य अतिथि के रूप में चयन किया है. अतः आप से सविनय अनुरोध है कि दिनांक २९ मार्च, २०२२ को आभासी मंच पर उपस्थित रहकर हमारे छात्रों एवं जिज्ञासुओ का मार्गदर्शन करे और हमे लाभान्वित करे.

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D.P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer

Estd: 1968 **RayatShikshan Sanstha's,**

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)

☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - www.dpbck.ac.in

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. 1260/2021-22 Date:28/3/2022

सेवा में,

डॉ मुक्ता कौशिक,

ग्रेसियस शिक्षा महाविद्यालय,

रायपुर (छत्तीसगढ़).

विषय : मार्गदर्शक अतिथि के रूप में उपस्थित रहने हेतु.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत एक दिवशीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इस कार्यशाला में **"नागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर विचार मंथन होना आवश्यक है. प्रस्तुत कार्यशाला में आप का मुख्य अतिथि मार्गदर्शक के रूप में चयन किया है. अतः आप से सविनय अनुरोध है कि दि. २९ मार्च, २०२२ को आभासी मंच पर उपस्थित रहकर हमारे छात्रों एवं जिज्ञासुओ का मार्गदर्शन करे और हमे लाभान्वित करे.

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D. P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer
Estd: 1968 RayatShikshan Sanstha's,

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)
☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - www.dpbck.ac.in

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)
NAAC Reaccredited: 'A' Grade with CGPA3.12 ISO 9001: 2015 Certified
Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. : 1261/2021-22 Date:28/3/2022

प्रति,
डॉ शोभना पी. जैन,
आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज,व्यारा
जि. तापी. (गुजरात)

विषय : मुख्य अतिथि मार्गदर्शक अतिथि के रूप में उपस्थित रहने हेतु.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत एक दिवशीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इस कार्यशाला में **"नागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर विचार मंथन होना आवश्यक है. प्रस्तुत कार्यशाला में आप का मुख्य अतिथि के रूप में चयन किया है. अतः आप से सविनय अनुरोध है कि, दि २९ मार्च, २०२२ को आभासी मंच पर उपस्थित रहकर हमारे छात्रों एवं जिज्ञासुओ का मार्गदर्शन करे और हमे लाभान्वित करे.

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D.P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer

Estd: 1968 **RayatShikshan Sanstha's,**

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)

☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - www.dpbck.ac.in

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. : 1257/2021-22 Date:28/3/2022

सेवा में ,
सन्माननीय प्रधानाचार्य,
सभी अग्रणी महाविद्यालय योजना,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

विषय : एक दिवसीय कार्यशाला के सन्दर्भ में .....

महोदय,

हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा अग्रणी महाविद्यालय योजना अंतर्गत **"देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन मंगलवार दिनांक २९ मार्च, २०२२ को प्रात: ११:३० बजे किया गया है. आपसे अनुरोध है कि आपके महाविद्यालय के सभी अध्यापको और छात्रों को प्रस्तुत आभासी कार्यशाला में सहभागी होने हेतु संबोधित करे . आशा है इस कार्यशाला को सफल बनाने में आपका सहयोग बना रहेगा. सधन्यवाद!

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D P BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer

Estd: 1968 **RayatShikshan Sanstha's,**

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)

☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - www.dpbck.ac.in

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. : 1276/2021-22 Date:303/2022

सेवा में,

डॉ शहाबुद्दीन शेख,

कार्यकारी अध्यक्ष, नागरी लिपि परिषद,

नई दिल्ली.

विषय : बीजभाषक के रूप में उपस्थित रहकर मार्गदर्शन करने के उपलक्ष्य में आभार.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत दिनांक २९ मार्च, २०२२ को एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था. इस कार्यशाला में आपने बीजभाषक के रूप में आभासी मंच पर उपस्थित रहकर "नागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता" इस विषय पर हमारे छात्रों एवं जिज्ञासुओं का मार्गदर्शन कर, हमें लाभान्वित किया. अतः महाविद्यालय की ओर से आपके आभार व्यक्त किए जाते हैं.

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D.P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer

Estd: 1968 **RayatShikshan Sanstha's,**

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)

☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - **www.dpbck.ac.in**

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. 1275/2021-22 Date:30/3/2022

सेवा में,
डॉ हरिसिंह पाल,
महामंत्री, नागरी लिपि परिषद,
नई दिल्ली.

विषय : प्रमुख मार्गदर्शक अतिथि एवं संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहकर मार्गदर्शन करने के उपलक्ष्य में आभार.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत दिनांक २९ मार्च, २०२२ को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था. इस कार्यशाला में आपने प्रमुख मार्गदर्शक अतिथि एवं संसाधन व्यक्ति रूप में आभासी मंच पर उपस्थित रहकर **"नागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर हमारे छात्रों एवं जिज्ञासुओ का मार्गदर्शन किया और हमे लाभान्वित किया. अतः महाविद्यालय की ओर से आपके आभार व्यक्त किए जाते हैं।

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D P BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer

Estd: 1968 **RayatShikshan Sanstha's,**

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)

☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - **www.dpbck.ac.in**

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. : 1274/2021-22 Date:30/3/2022

सेवा में,
डॉ मुक्ता कौशिक,
ग्रेसियस शिक्षा महाविद्यालय,
रायपुर. (छत्तीसगढ़)

विषय : संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहकर मार्गदर्शन करने के उपलक्ष्य में आभार.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत दिनांक २९ मार्च, २०२२ को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में आपने संसाधन व्यक्ति के रूप में आभासी मंच पर उपस्थित रहकर **"नागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर हमारे छात्रों एवं जिज्ञासुओ का मार्गदर्शन किया और हमें लाभान्वित किया. अतः महाविद्यालय की ओर से आपके आभार व्यक्त किए जाते हैं।

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D P BHOSALE COLLEGE KOREGAON

"Education through self-help is our motto" – Karmaveer
Estd: 1968 RayatShikshan Sanstha's,

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)
☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - www.dpbck.ac.in

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. : 1277/2021-22 Date:30/3/2022

सेवा में,
डॉ शोभना जैन,
कला और वाणिज्य महाविद्यालय, व्यारा (गुजरात)

विषय : संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहकर मार्गदर्शन करने के उपलक्ष्य में आभार.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत दि. २९ मार्च, २०२२ को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में आपने संसाधन व्यक्ति के रूप में आभासी मंच पर उपस्थित रहकर **"नागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर हमारे छात्रों एवं जिज्ञासुओ का मार्गदर्शन किया और हमें लाभान्वित किया। अतः महाविद्यालय की ओर से आपके आभार व्यक्त किए जाते हैं।

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D.P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

Education through self-help is our motto" – Karmaveer
Estd: 1968 **RayatShikshan Sanstha's,**

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist.- Satara, 415 501, Maharashtra (India)
☎(02163) 220219 Email- dpbckoregaon@gmail.com Website - www.dpbck.ac.in

Arts, Commerce, Science, BCA, B.Voc. (Sust. Agri.)

NAAC Reaccredited: **'A'** Grade with **CGPA3.12** **ISO 9001: 2015 Certified**

Affiliated : Shivaji University, Kolhapur * Uni. Affil. No. UKF/7569/11529-y * Jr. College Index No. J21.05.001

Principal, Dr. Vijaysinh S. Sawant M.Sc. Ph.D.

Ref. No. : 1275/2021-22 Date:30/3/2022

सेवा में ,
सन्माननीय प्रधानाचार्य,
सभी अग्रणी महाविद्यालय योजना,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

विषय : आभार

महोदय,

हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा अग्रणी महाविद्यालय योजना अंतर्गत **"देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"** इस विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन मंगलवार दिनांक २९ मार्च, २०२२ को प्रात: ११ बजे किया गया है. आपसे अनुरोध है कि आपके महाविद्यालय के सभी अध्यापको और छात्रों को प्रस्तुत आभासी कार्यशाला में सहभागी होकर संबोधित किया . इस कार्यशाला को सफल बनाने में आपका सहयोग मिला . इसलिए आप सभी विद्वजनो का हृदय से आभार प्रकट करते हैं .

सधन्यवाद!

PRINCIPAL,
D. P. Bhosale College,
Koregaon.

D P BHOSALE COLLEGE KOREGAON

D. P. Bhosale College, Koregaon
Department of Hindi

राजभाषा हिंदी

हिंदी साहित्य

हिंदी विभागऔर नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तथा
अग्रणी महाविद्यालय योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला

“देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता”29 मार्च , २०२२

प्रास्ताविक करते हुए हिंदी विभाग प्रमुख - प्रा श्रीमती राबन मुल्ला मैडम

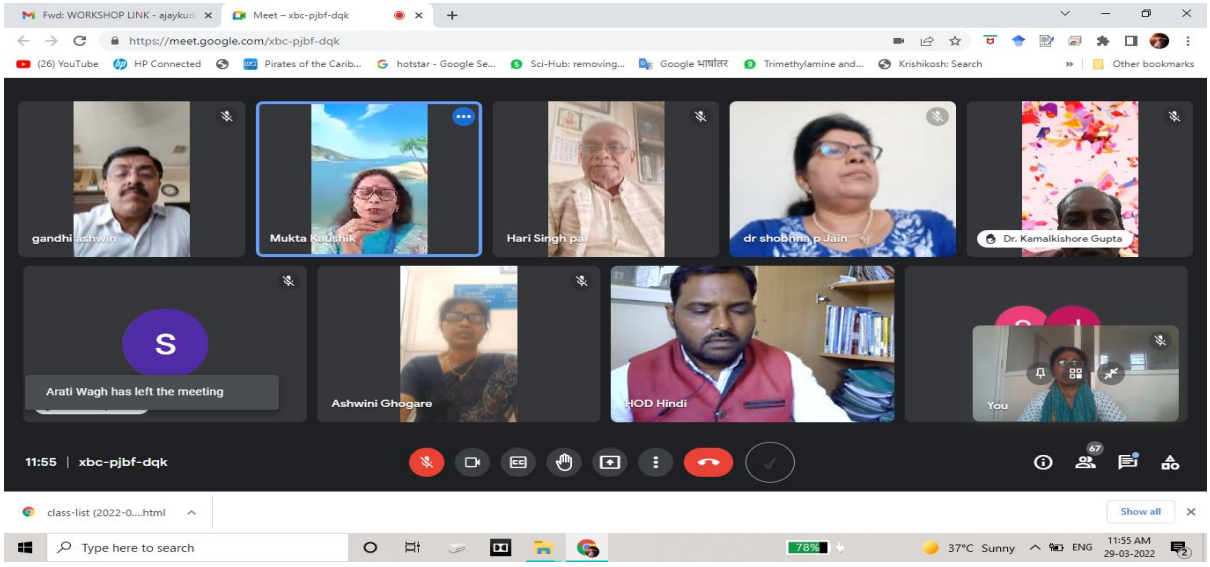

1. **ग्रेसियस महाविद्यालय, छत्तीसगढ़ से प्रमुख वक्ता डॉ मुक्ता कौशिक अपना मंतव्य व्यक्त करते हुए**

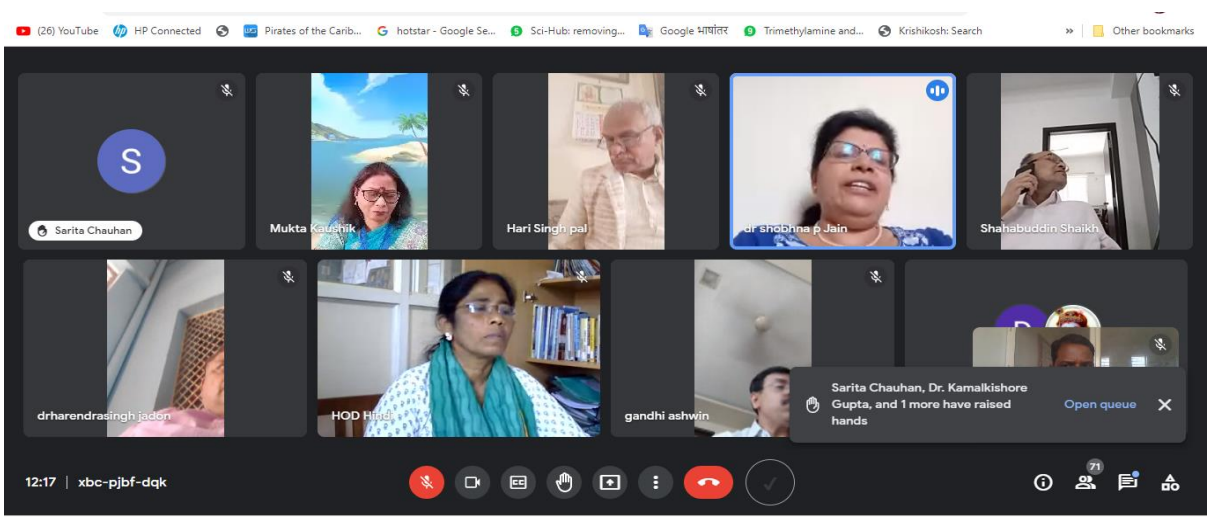

2.

आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज,गुजरात से प्रमुख वक्ता **डॉ. शोभना पी.जैन** अपना मंतव्य व्यक्त करते हुए

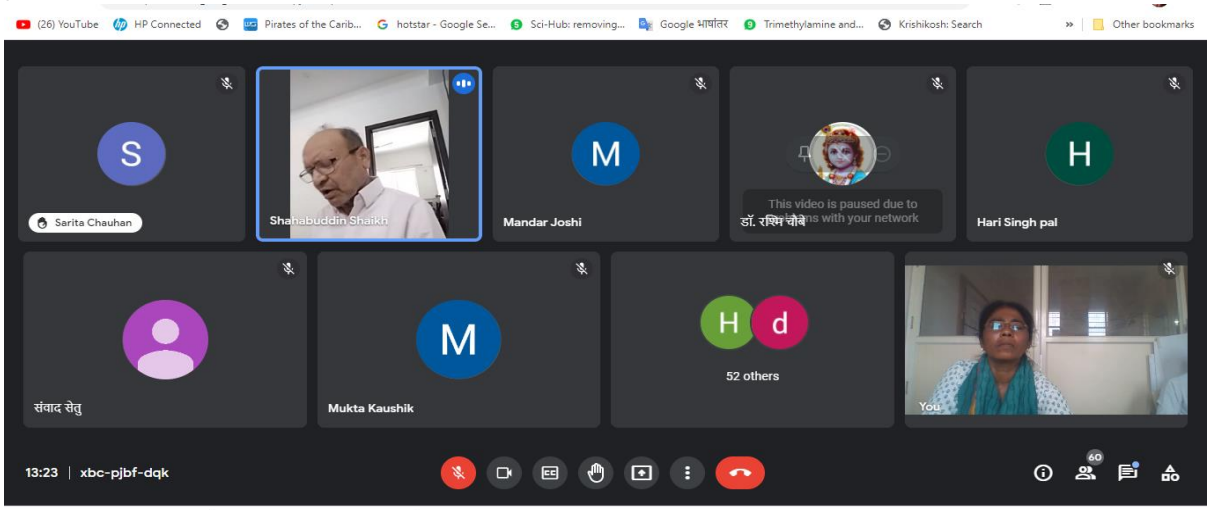

3.

4. नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली से डा शहाबुद्दीन शेख अध्यक्षीय मंतव्य व्यक्त करते हुए

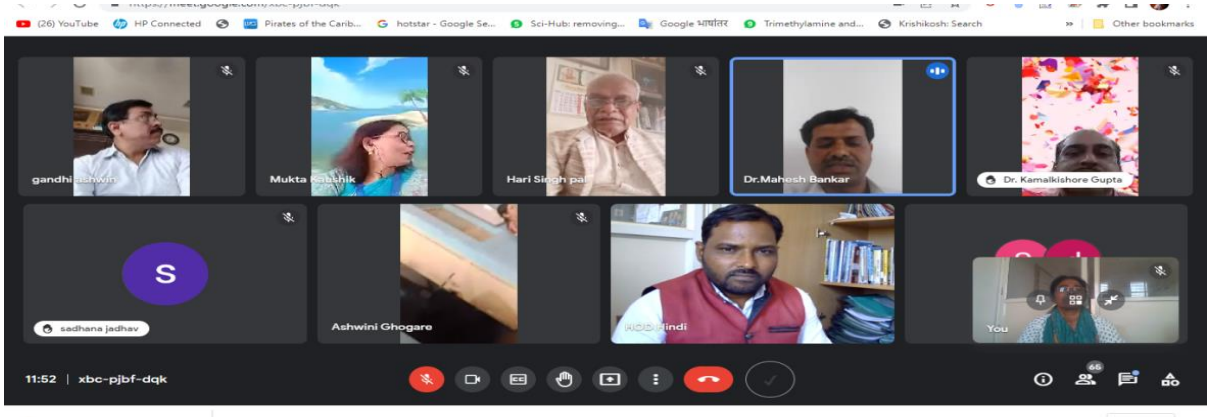

D.P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

दैनिक दबंग स्वर

एक नई सोच के साथ...

www.dabangswar.com email : dabangraipur@gmail.com

वर्ष-1. अंक-159. पृष्ठ-8. मूल्य : 3.00 रु. रायपुर, शुक्रवार - 01 अप्रैल 2022

श्री पूजन सामग्री

हवन पूजा सामग्री और आयुर्वेदिक जड़ी बूटी

हमारे यहाँ पूजा पाठ की सभी वस्तुएँ उपलब्ध है।

सु-विचार

फिरती है तो फिर जाए बदलती है तो बदले

दुनिया की नजर है मेरी किस्मत तो नहीं है

कोरेगांव के डी पी भोसले कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

दबंग स्वर

नागपुर/पुणे। रयत शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित डी.पी. भोसले महाविद्यालय, कोरेगांव का हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला दि. 29 मार्च को संपन्न हुई। इस कार्यशाला में देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता इस विषय पर विचार मंथन हुआ। इस समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रुप में नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के महामंत्री डॉ हरि सिंह पाल उपस्थित थे।

नागरी लिपि परिषद की स्थापना एवं उसके विकास पर महामंत्री ने अपना मंतव्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश हित एवं राष्ट्रीय एकता के लिए एक भाषा आवश्यक होती है उसी तरह एक लिपि भी आवश्यक होती है। देश के लिए जिस एक लिपि की आवश्यकता है, वह देवनागरी है। शून्य का आविष्कार भी नागरी लिपि की ही देन है। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ की डॉ. मुक्ता कौशिक ने अपना मंतव्य देते हुए कहा देवनागरी लिपि विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि है। इसलिए आधुनिक युग के नेताओं एवं विचारको ने देवनागरी को राष्ट्र लिपि बनाने का आग्रह किया।

हिंदुस्तान की एकता के लिए देवनागरी की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने इस समय यह भी कहा कि लोकमान्य तिलक ने भी राष्ट्र लिपि के रूप में देवनागरी की घोषणा की थी। देवनागरी एकता की लिपि है।गुजरात से डॉ. शोभना जैन ने देवनागरी लिपि का संपूर्ण इतिहास श्रोताओं के सामने रखा। उन्होंने कहा कि गुजरात के नागर ब्राह्मणों की भाषा से देवनागरी का विकास हुआ है। सम्राट अशोक के काल से ही यह विकसित होने लगी थी आगे चलकर तिलक ने लिपि सुधार की भावना व्यक्त की और महादेव गोविंद रानडे ने लिपि सुधार समिति स्थापित की। आज यह लिपि एक सक्षम लिपि है। समारोह के अध्यक्ष नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के कार्याध्यक्ष डॉ शहाबुद्दीन शेख जी ने नागरी लिपि परिषद के संपूर्ण इतिहास पर विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय एकता के लिए केवल देवनागरी लिपि ही सक्षम है इस वक्तव्य को उन्होंने जोर देकर कहा। देवनागरी लिपि पूर्णता वैज्ञानिक है और आज कंप्यूटर, मोबाइल आदि माध्यमों में भी यह प्रयुक्त होती है। देवनागरी लिपि की उपयोगिता के सभी आयामों पर उन्होंने चर्चा की। अध्यक्षीय मंतव्य से पहले डॉ सिराज शेख और प्रा. श्रीमती मुल्ला मैडम ने कुछ जिज्ञासाए व्यक्त की और इन जिज्ञासाओं का समाधान वक्ताओं ने किया। कार्यशाला का समन्वयन डॉ सिराज शेख ने किया। इसका संयोजन हिंदी विभाग प्रमुख श्रीमती मुल्ला मैडम ने किया। सह संयोजन डॉ महेश बनकर ने किया। इस कार्यशाला के लिए विशेष मार्गदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजयसिंह सावंत, उप प्राचार्य डॉ विजय वाड़ते, अग्रणी महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ नितिन निकम और तकनीकी सहायक केतन जाधव से मिला। इस कार्यशाला में देश के लगभग सभी राज्यों से लोग जुड़े थे। कार्यशाला का आयोजन सफल रहा।

D. P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

D. P. Bhosale College, Koregaon

Department of Hindi

दैनिक **खबरों में हमारा शहर**

जयपुर भोपाल व नागपुर से प्रकाशित khabromehamarashahar@gmail.com

बुद्धिवान व्यक्ति हर कार्य करने से पहले उसके परिणामों को जानते हैं — ब्रह्माकुमारी

वर्ष- 03 अंक - 85 नागपुर शुक्रवार 01 अप्रैल 2022 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रूपये सच के साथ हमेशा

https://khabromehamarashahar.com/ KMHSNEWSPAPER khabaro_me_hamara_shahar @DainikMe Khabro me Hamara shahar

कोरेगांव के डी पी भोसले कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

खबरों में हमारा शहर संवाददाता नागपुर/पुणे।

रयत शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित डी.पी. भोसले महाविद्यालय, कोरेगांव का हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला दि. 29 मार्च को संपन्न हुई। इस कार्यशाला में देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता इस विषय पर विचार मंथन हुआ। इस समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रुप में नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के महामंत्री डॉ हरि सिंह पाल उपस्थित थे। नागरी लिपि परिषद की स्थापना एवं उसके विकास पर महामंत्री ने अपना मंतव्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश हित एवं राष्ट्रीय एकता के लिए एक भाषा आवश्यक होती है उसी तरह एक लिपि भी आवश्यक होती है। देश के लिए जिस एक लिपि की आवश्यकता है, वह देवनागरी है। शून्य का आविष्कार भी नागरी लिपि की ही देन है। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ की डॉ. मुक्ता कौशिक ने अपना मंतव्य देते हुए कहा देवनागरी लिपि विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि है। इसलिए आधुनिक युग के नेताओं एवं विचारको ने देवनागरी को राष्ट्र लिपि बनाने का आग्रह किया। हिंदुस्तान की एकता के लिए देवनागरी की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने इस समय यह भी कहा कि

लोकमान्य तिलक ने भी राष्ट्र लिपि के रूप में देवनागरी की घोषणा की थी। देवनागरी एकता की लिपि है।गुजरात से डॉ. शोभना जैन ने देवनागरी लिपि का संपूर्ण इतिहास श्रोताओं के सामने रखा। उन्होंने कहा कि गुजरात के नागर ब्राह्मणों की भाषा से देवनागरी का विकास हुआ है। सम्राट अशोक के काल से ही यह विकसित होने लगी थी आगे चलकर तिलक ने लिपि सुधार की भावना व्यक्त की और महादेव गोविंद रानडे ने लिपि सुधार समिति स्थापित की। आज यह लिपि एक सक्षम लिपि है। समारोह के अध्यक्ष नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के कार्याध्यक्ष डॉ शहाबुद्दीन शेख जी ने नागरी लिपि परिषद के संपूर्ण इतिहास पर विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय एकता के लिए केवल देवनागरी लिपि ही सक्षम है इस वक्तव्य को उन्होंने जोर देकर कहा। देवनागरी लिपि पूर्णता वैज्ञानिक है और आज कंप्यूटर, मोबाइल आदि माध्यमों में भी यह प्रयुक्त होती है। देवनागरी लिपि की उपयोगिता के सभी आयामों पर उन्होंने चर्चा की। अध्यक्षीय मंतव्य से पहले डॉ सिराज शेख और प्रा. श्रीमती मुल्ला मैडम ने कुछ जिज्ञासाए व्यक्त की और इन जिज्ञासाओं का समाधान वक्ताओं ने किया। कार्यशाला का समन्वयन डॉ सिराज शेख ने किया। इसका संयोजन हिंदी विभाग प्रमुख श्रीमती मुल्ला मैडम ने किया। सह संयोजन डॉ महेश बनकर ने किया। इस कार्यशाला के लिए विशेष मार्गदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजयसिंह सावंत, उप प्राचार्य डॉ विजय वाड़ते, अग्रणी महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ नितिन निकम और तकनीकी सहायक केतन जाधव से मिला। इस कार्यशाला में देश के लगभग सभी राज्यों से लोग जुड़े थे। कार्यशाला का आयोजन सफल रहा।

https://www.zeromilepress.com/2022/03/blog-post_214.html?m=1

3.नागरी संगम अंक- १७५ - जनवरी-मार्च २०२२

नागरी लिपि व सोशल मीडिया के संबंधों पर विस्तृत जानकारी दी। इसी के साथ एम.एस. यूनिवर्सिटी के शोधार्थी छात्र में श्रीयंका व शिव कैलाश यादव ने अपना शोध प्रपत्र पढ़ा। सत्र का संचालन प्रो. कनुभाई निनामा ने किया। अंत में इस संगोष्ठी की संयोजक एवं महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. कल्पना गवली जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

–प्रस्तुति : **डॉ. कल्पना गवली**, हिंदी विभागाध्यक्ष, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा (गुजरात)

'नागरी लिपि के महत्त्व एवं उपयोगिता' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

कोरेगाँव (महाराष्ट्र), 29 मार्च, 2022 को नागरी लिपि परिषद् और रैयत शिक्षण संस्थान संचालित डी.पी. भोंसले कॉलेज कोरेगाँव (सातारा) के संयुक्त तत्वावधान में **'देवनागरी लिपि : महत्त्व एवं उपयोगिता'** विषय पर एक राष्ट्रीय नागरी लिपि संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता परिषद् के कार्याध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. शहाबुद्दीन शेख ने की। मुख्य अतिथि के रूप में परिषद् के महामंत्री एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. हरिसिंह पाल उपस्थित थे। संगोष्ठी की संयोजक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. राबन मुक्ता ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। अग्रणी महाविद्यालय योजना के अध्यक्ष डॉ. नितिन निकम ने अतिथियों का परिचय दिया। डॉ. अजय कुडाले के कुशल संचालन में रायपुर (छत्तीसगढ़) के ग्रेसियस कॉलेज की डॉ. मुक्ता कान्हा कौशिक और व्यारा (गुजरात) की डॉ. शोभना पी. जैन ने नागरी लिपि के उद्भव और विकास और इसके महत्त्व एवं उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि डॉ. हरिसिंह पाल ने राष्ट्रीय एकता की दिशा में किए जा रहे परिषद् के कार्यों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिषद् ने अब तक 44 अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलनों का आयोजन देश के कोने-कोने में किया है। डॉ. पाल ने राष्ट्रीयता एकता में नागरी लिपि की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि जिस प्रकार देश में हिंदी भाषा की आवश्यकता है, उससे अधिक नागरी लिपि की भी आवश्यकता है, क्योंकि नागरी लिपि अष्टम अनुसूची में वर्णित 22 भाषाओं में से 12 भाषाओं की लिपि नागरी लिपि है, शून्य का आविष्कार नागरी लिपि का विश्व की अनुपम उपहार है।

अपने अध्यक्षीय व्यक्तव्य में नागरी लिपि परिषद् के कार्याध्यक्ष एवं औरंगाबाद के पूर्व प्राचार्य डॉ. शहाबुद्दीन शेख ने परिषद् के संपूर्ण इतिहास की जानकारी दी और राष्ट्रीय एकता के लिए नागरी लिपि को सक्षम लिपि बताया। डॉ. शेख ने कहा कि नागरी लिपि पूर्णत: वैज्ञानिक लिपि है जो विश्व की भाषा-बोली की लिपिबद्ध कर सकती है जोड़ लिपि के रूप में इस भारत में और बढ़ावा देने की आवश्यकता है। डॉ. सिराज शेख और प्रो. मुल्ला की जिज्ञासाओं का समाधान डॉ. पाल द्वारा किया गया। संगोष्ठी के संयोजन हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. मुल्ला के साथ-साथ डॉ. महेश बनकर, प्राचार्य डॉ. विजयसिंह सावंत, उप-प्राचार्य डॉ. विजय वाड़ते, डॉ. नितिन निकम और तकनीकी सहायक केतन जाधव का उल्लेखनीय सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन संयोजक प्रो. राबन मुल्ला ने दिया।

–प्रस्तुति : **प्रो. राबन मुल्ला**, हिंदी विभागाध्यक्ष डी.पी. भोंसले महाविद्यालय, कोरेगाँव (सातारा) □

D. P. Bhosale College, Koregaon

Department of Hindi

स्वावलंबीशिक्षा ही हमारा ब्रीद है.-कर्मवीर

रयत शिक्षा संस्था संचलित,

डी.पी.भोसले कॉलेज,कोरेगावका **हिंदी विभाग**और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्लीके संयुक्त तत्वावधान में अग्रणी महाविद्यालय योजनांतर्गतआयोजित

"देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता"

एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला

दि. 29 मार्च, 2022

ई- प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमति.----------

को डी.पी .भोसले कॉलेज,कोरेगांव का हिंदी विभाग और नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में **अग्रणी महाविद्यालय योजनांतर्गत शोध हेतु आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला** में उपस्थित रहने के उपलक्ष्य में यह प्रमाणपत्र सम्मानपूर्वक प्रदान किया जाता है।.

श्रीमति.आर के .मुल्ला	डॉ . एस.एच. शेख	डॉ. एम.आर. बनकर	डॉ.एन डी.निकम	डॉ.व्ही.एस.सावंत
संयोजक	समन्वयक	सह संयोजक	चेअरमन,अग्रणी कॉले	प्रधानाचार्य

D. P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

रयत शिक्षा संस्था द्वारा संचलित,

डी.पी.भोसले कॉलेज कोरेगांव

हिंदी विभाग

एवं

अग्रणी महाविद्यालय योजना (अंतर्गत)

नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में देवनागरी लिपि महत्व एवं उपयोगिता विषय पर आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला

२९ मार्च, २०२२

Received E- Certificate -295

Email Address	प्रतिभागी का नाम	*Link to merged Doc - e-Certificate_One Day Online Workshop*
drsurajbhansagar2013@gmail.com	डॉ सूरज भान सागर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ssdeepankar0086@gmail.com	शांति सुमन दीपंकर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
arunsonkamble765@gmail.com	Dr.Sonkamble Arun Ashok	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mvpozarcollegehindi@gmail.com	Manojkumar Waman Wayadande	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ajaykudale21@gmail.com	Ajay Sanjay Kudale	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shiraj.shaikh14@gmail.com	डॉ सिराज हसन शेख	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
maheshbankar063@gmail.com	Dr Mahesh Ramchandra Bankar	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
rdkhsghycentre@gmail.com	Dr. Raj Veer Singh	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shereenasn90@gmail.com	SHEREENA.S.N	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
saritahindi09@gmail.com	Dr. Sarita Chauhan	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
laxsiyol@gmail.com	LICHCHHA RAM	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
rohitakr1@gmail.com	Rohita Ketan Raut	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
krishnaramchauhan01@gmail.com	कृष्णा राम चौहान	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
drmadhusep@gmail.com	डॉ मधु वर्मा	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता

D.P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

surekhasujata8@gmail.com	डॉ. सुरेखा	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
aipinchauhan07@gmail.com	ऐपिन सिंह	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sangitajambhale21@gmail.com	प्रा.संगिता दत्तात्रय पवार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
alokurvashi3435@gmail.com	आलोक रंजन	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
popatbirari@gmail.com	डों पोपट भावराव बिरारी	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
dr.spdewangan@gmail.com	डॉ. शरद कुमार देवांगन	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kbbhagat1611@gmail.com	KAILASH BHAGAT	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
someera.koli@rediffmail.com	कोळी सोमनाथ तातोबा	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ypghogare@gmail.com	प्रा.डॉ.योगेश प्रभाकर घोगरे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
santhoshbabus80@gmail.com	SANTHOSH BABU S	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
dr.v.v.makwana71@gmail.com	Dr.v.v.makwana	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
harshada728@gmail.com	Harshada Vitthal Shinde	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
pramod511223@gmail.com	प्रमोद शर्मा	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
abhishek16981@gmail.com	Dr.Abhishek kumar Singh	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
30kala06@gmail.com	K. SASIKALA	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kalpanamukunde.kolarkar@gmail.com	Kalpana S. Mukunde	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
g.suparna2@gmail.com	श्रीमती संसुद्धी सुपर्णा गंगाधर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sheeladr121977@gmail.com	Dr sheela	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ram.hondkar@gmail.com	Dr. Rameshwar Shivling Vhandkar	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
varav2010@gmail.com	डों वरप्रसाद वासाला	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
pashiram1978@gmail.com	Mr Pashi Ram Mangal	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
archanaaundhakar1997@gmail.com	Archana Hemant Rakate	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
jaydipkulkarni007@gmail.com	Kulkarni jaydip satish	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
gawai1234rachana@gmail.com	Rachana P. Gawai	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
Sampatraojadhav96@gmail.com	Jadhav sampatrao sadashiv	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
saifihusain786@gmail.com	Nijakat Husain	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kishorpawar2345@gmail.com	प्रोफेसर डों किशोर पवार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sawantaditi116@gmail.com	Aditi Adhik Sawant	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
bhikajikamble2217@gmail.com	भिकाजी व्हन्नाप्पा कांबळे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
reena_dass13@rediffmail.com	डॉ. रीना थॉमस	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
aouduanil29@gmail.com	Anil Ramchandra Mahajan	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
nathakalel2010@gmail.com	Dr. Natha Sukhdev Kalel	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता

yogipgt13@gmail.com	YOGESHWER [illegible]BEY YOGI	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sanjudavange12@gmail.com	डॉ. संजय भाऊसा[illegible] दवंगे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
prof.alkajain62@gmail.com	ALKA JAIN	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
aahawale7@gmail.com	सौआशाराणी आण्णासो हावळे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
7709403614p@gmail.com	Prasad Dasharath Bhosale	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
satpalsinghk13@gmail.com	सतपाल सिंघ मनमोहन सिंघ कामठेकर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sonu.mishrabrb125@gmail.com	श्री सोनू कुमार जी,पत्रकार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
akj071967@gmail.com	Dr. Anil Kumar Jeph	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ajaysinghrawat912@gmail.com	अजय सिंह रावत	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
alamshekh9@gmail.com	डॉ. आलम शेख	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ssbundele1@gmail.com	डाॅ.सुनीता शिवशंकर बुंदेले	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sawant.rajesh07@gmail.com	Rajesh Jeevan Sawant	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
rdkharate111@gmail.com	प्रा आर डी खराटे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sunil241077@gmail.com	Mrs.Permila Devi	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
vsshinde1377@gmail.com	डॉ वैशाली सुनील शिंदे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
annpurnau215@gmail.com	Annpurna upadhyay	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
dr.pradipdesai@gmail.com	Dr PRADIP DESAI	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ssphulari@gmail.com	Dr. Sunanda Sharad Phulari	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shahidaattar57@gmail.com	सुश्री. शहिदा नजीर अतार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
Priyankaghildiyal86@gmail.com	डॉ प्रियंका घिल्डियाल	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
muleprinyank@gmail.com	Priyanka Nandkishor Mule	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
narayanpawar90@gmail.com	Narayan k pawar	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
gamitfalguni01@gmail.com	डॉ.फाल्गुनीकुमारी जी.गामीत	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
jangratoday@gmail.com	डॉ सुरेश कुमार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
manapuredipti27@gmail.com	Dr. Dipti S. Manapure (Barai)	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
vipulgamit848@gmail.com	Dr.Vipulkumar Simabhai Gamit	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
vaishaliahire31@gmail.com	वैशाली प्रमोद अहिरे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
pal.rumpa38@gmail.com	RUMPA PAL	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
gaikwadshital0@gmail.com	Dr. Gaikwad Shital Madhavrao	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
arpita2662001@gmail.com	Arpita Anandrao Ghadge	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
majitpathan009@gmail.com	Prof.Majitkhan Aminkhan Pathan	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
laxmanvadhel106@gmail.com	Dr. Laxman. U. Vadhel	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता

drskagarwal3333@gmail.com	Dr Suresh Kumar Agarwal	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
goobalpeace5599@gmail.com	Isha Saraf	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
globalpeace5599@gmail.com	Neha Dhandhania	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mohd35188@gmail.com	Mohammad Rehan	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
salunkheshubham05022001@gmail.com	Shubham Kalyan salunkhe	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
globalpeace5599@gmail.com	Shiwangi Singhania	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
globalpeace5599@gmail.com	Chandan Agarwal	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
globalpeace5599@gmail.com	Anita Agarwal	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
bablimorwal1@gmail.com	BABLI MORWAL	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
rukimani01041967@gmail.com	डॉ. रुक्मिणी देवी	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
nehardevadiga04@gmail.com	Neha Ravi Devadiga	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
vijaykoshti07@gmail.com	Dr. Vijaykumar Shivaji Koshti	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
akashdighe19@gmail.com	Sandhya dhondiram dighe	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
globalpeace5599@gmail.com	Isha Saraf	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
a_harishchander@cb.amrita.edu	Dr. Harishchander Anandaram	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
dhanrajcukerala@gmail.com	धन राज	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
dsingh1877@gmail.com	Deeksha singh	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
rfaujdar.123@gmail.com	Dr.Raubi	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
saleembandar@gmail.com	Dr.Salim Banadar	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
dhirendrakumarpandey17782@gmail.com	डॉ. धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
drfateh1974@gmail.com	DR. FATEH SINGH	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
www.vinodtak1984@gmail.com	डा. विनोद कुमार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shikhas8115@gmail.com	शिखा सिंह	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mangat89@gmail.com	डॉ. अमर ज्योति मांगट	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
crlisha@ssus.ac.in	Lisha C.R.	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
girdharsharma07@gmail.com	डॉ.गिरधर लाल शर्मा	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
vedangisarojini@gmail.com	Dr. SAROJINI VEDANGI	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sahureshmee43@gmail.com	Reshmee Sahu	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
vaishali.shrivastava@skvgwalior.org	vaishali Shrivastava	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
bhopalramrebari@gmail.com	डॉ. भोपाल राम रेवारी	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
2011vaad@gmail.com	डॉ. वेद प्रकाश	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता

psp.2303@gmail.com	Dr. Pratibha Suresh Patil	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
poojasoni.16a@gmail.com	पूजा सोनी	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
yuvarajayu@gmail.com	YUVARAJ SUBHASH JADHAV	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shivrajgupta705490@gmail.com	Mr SHIVRAJ	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shindeurmila105@gmail.com	Shinde urmila manaji	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
nikamndchem@gmail.com	Dr Nitin Dattatray Nikam	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
bhosalesayali2002@gmail.com	भोसले सायली ज्ञानदेव	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
prafullaghorpade2050@gmail.com	Prafull Ghorpade	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
bbbahekar@gmail.com	प्रा भगवंत वा. बाहेकर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ramayan.pal786@gmail.com	डॉ. रामायण प्रसाद पाल	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
bhavnarochlani1@gmail.com	Bhavna Rochlani	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shalusingh2113@gmail.com	Shalu Jalendrapratap Singh	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
gaytriarane2002@gmail.com	Arane Gaytri navnath	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
pritidhembare2019@gmail.com	Dhembare Priti Dipak	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
nileshd2112@gmail.com	देशमुख निलेश शिवाजी	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
muktakaushik05@gmail.com	डॉ.मुक्ता कौशिक	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kultherushikesh2000@gmail.com	Kulthe pradnya baliram	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shrisadhana6@gmail.com	साधना सुखदेव जाधव	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
archanajagtap269@gmail.com	JAGTAP ARCHANA MARUTI	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
satishmishrabltr@gmail.com	डॉ सतीश कुमार मिश्र	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
rajatmandal1001@gmail.com	Dr. Rajat Rabindranath Mandal	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
nandufcbrm@gmail.com	Nandukrishna Anil Makeri	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
tejal.pakade@gmail.com	Dr.Tejal Mehta	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
deepaaskn@gmail.com	Dr Deepa Rastogi	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
Kdevikanmani@gmail.com	Dr.B.kannammal Devi	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
prasadjagadale4341@gmail.com	Prasad Dipak Jagadale	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
krdx0786@gmail.com	शेख वसीम शेख याकूब	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
triptirohela@gmail.com	Tripti Rohela	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
aratiwagh288@gmail.com	Wagh Arati Vinayak	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mdnagare10@gmail.com	प्रा डॉ नागरे मच्छिंद्रनाथ दिनकराव	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
prathmeshparit007@gmail.com	Prathmesh Arun Parit	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
hosurkarkirti849@gmail.com	किर्ती काशिनाथ होसुरकर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता

kiransanskritau@gmail.com	Dr Kiran AU	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
jagdishdhull812@gmail.com	जगदीश सिंह	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ashwinitate325@gmail.com	Tate Ashwini Vijay	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
yatikavimmy@gmail.com	Suman Garg	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
nksihag202@gmail.com	Naresh Kumar Sihag	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
satyajit.aus@gmail.com	Dr.Satyajit kumar	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एव उपयोगिता
yashodamehra.alw.ym@gmail.com	डॉ. यशोदा मेहरा	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
rahish.agra786@gmail.com	डॉ. मौह. रहीश अली खॉं	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mmahajan474@gmail.com	मनिषा रघुनाथ महाजन	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sanket.dharashivkar@dlhhcop.org	Sanket Dharashivkar	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
saraswatiagarwal67@gmail.com	DR SARASWATI AGARWAL	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kumarshatrudhan7@gmail.com	Dr. SHATRUDHAN KUMAR	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
surekhamantri11@gmail.com	प्रा डॉ सुरेखा प्रेमचंद मंत्री	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
namratahm81@gmail.com	Dr. Namrata Gaurav	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
tamrakarkamalkishor@gmail.com	कमलकिशोर ताम्रकार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mahashvetadevi@gmail.com	डा.महाश्वेता	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sjaivir21@gmail.com	जयवीर सिंह पुत्र वेद सिंह व प्रेमो देवी	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kumaridivya0657@gmail.com	Divya Prasad	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
yjanghel71@gmail.com	यशपाल जंघेल	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mallikarjunna051@gmail.com	DR MALLIKARJUNA N	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
shihabskrt@gmail.com	Dr N A Shihab	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
aaratitgaikwad123@gmail.com	Aarati Tanaji Gaikwad	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
jadhavsk.snk@gmail.com	डॉ. सचिन कारभारी जाधव	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
balkks1997@gmail.com	BAL KRISHNA KUMAR SINGH	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
vijaymalekar1974@gmail.com	विजय शामराव मालेकर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
Jpunam054@gmail.com	Jagtap Punam Ashok	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
vidusheeameta@gmail.com	विदुषी आमेटा	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
madeena.agra786@gmail.com	मदीना	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
eros.ramen2012@gmail.com	Dr. Ramen Goswami	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
hsain83@gmail.com	डॉ. राम सिंह सैन	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
a73@gmail.com	Dr Sreevidya S	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
nanaranje@gmail.com	सुषमा माधवराव नरांजे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mohananatarajan86@gmail.com	Dr.N.Mohana	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
malokar72@gmail.com	डॉ राजेंद्र गंगाधरराव मालोकर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
gpkathepure@gmail.com	प्रा. गोरखनाथ पुंजाराम काथेपुरे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
umeshgupta313@gmail.com	डॉ. उमेश कुमार गुप्ता	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
amritjinger@gmail.com	अमृत लाल जीनगर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
Boss.mukhraiya@gmail.com	गजेन्द्र सिंह	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
lalitup15@gmail.com	डॉ. ललित उपाध्याय	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ganga.yarolkar@gmail.com	गंगा शिवाजी यरोळकर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sonkaramitesh@gmail.com	AMITESH KUMAR SONKAR	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kantamannat@gmail.com	Khileshwari Kumari	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
globalpeace5599@gmail.com	Chandan Agarwal	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
suchetaguptakhandelwal@gmail.com	Sucheta Gupta	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kirtibarsaiyan75.kb@gmail.com	कीर्ति बरसैयां	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
jeetbhoomika@yahoo.com	Dr Jitendra S Gajbhiye	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
navinkumarmanawat@gmail.com	डॉ.नवीन कुमार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
santoshpathak0000@gmail.com	SANTOSH PATHAK	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
kumari01021985@gmail.com	डॉ. सुमन भदौरिया	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ishwaryabiju@gmail.com	AISWARYA BIJU	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
drmanoramapandey612@gmail.com	DR. MANORAMA PANDEY	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
simjivd97@gmail.com	SIMJI V D	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
premlata2981@gmail.com	श्रीमती प्रेमलता पाटील	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sm2981997@gmail.com	Santosh Vishnu More	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
ps36283@gmail.com	प्रिया सिंह	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
jai.hindi2010@gmail.com	जैनेन्द्र कुमार कर्ण	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
sutar.vishwanth36@gmail.com	श्री. विश्वनाथ भालचंद्र सुतार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
priyankambd3@gmail.com	प्रियंका यादव	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
amitbhatt234066@gmail.com	Bhatt Amitkumar Navinchandra	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
arivandkyadav2014@gmail.com	Dr Arvind Kumar Yadav	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
dr.anitaraut23@gmail.com	डॉ.अनिता नामदेवराव राऊत	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
anitanere321@gmail.com	Prof Dr Anita Popatrao Nere	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
mewadapappu137@gmail.com	MR pappu singh mewada	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता
pooja.akash2003@gmail.com	More Pooja Rupesh	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता

D. P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

rvsharma4675@gmail.com	Dr Ram Vijay sharma	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
jha45695@gmail.com	Archana Kumari Jha	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
ratnakarhuse@gmail.com	Dr. Ratnakar Raosaheb Huse	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
bhikajikamble2217@gmail.com	भिकाजी व्हन्नाप्पा कांबळे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
anujshaw616@gmail.com	अनुज साव	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
maheshkulkarni824@gmail.com	कुलकर्णी महेश वसंत	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
mmirotha@jmi.ac.in	डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
sinhakk22@gmail.com	Dr. K. K. Sinha	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
rajupatle24@gmail.com	Dr Raju R Patle	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
abhaytripathi900@gmail.com	अभय कान्त त्रिपाठी	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
miss.palashsingh@gmail.com	सुश्री पलाश सिंह	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
manjulsingh3393@gmail.com	मंजुल कुमार सिंह	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
haripore881@gmail.com	Pore Hari gopal	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
sk19yadav70@gmail.com	Dr. Sanjay Kumar Yadav	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
rathodkanchan350@gmail.com	Rathod Kanchan Pandurang	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
jaysingchavare@gmail.com	प्रा.जयसिंग गोवर्धन चवरे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
Shashikanthotkar@gmail.com	होटकर शशिकांत सटवाजी	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
snehalschavan2001@gmail.com	Chavan Snehal Sandip	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
jayasharma.adv@gmail.com	Jaya Sharma	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
kubale747@gimal.com	Ubale Kalpana Santu	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
drramrasik@gmail.com	Dr Harish Kumar Soni	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
umeshkumarvishwakarma81@gmail.com	Dr Umesh Kumar Vishwakarma	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
drjyotika268@gmail.com	DR.JYOTIKABEN M.PATEL	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
wayadandeanjali365@gmail.com	Anjali dhananji wayadande	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
seematopper@gmail.com	Dr Seema Choudhury	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
pritiraskar100@gmail.com	Priti Savata Raskar	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
ajaypalsinghdr@gmail.com	Dr Ajaypal Singh	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
mayu115454@gmail.com	Sawant mayur sanjay	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
anilmp1402@gmail.com	अनिल मोहन पाटील	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
pritirasal780@gmail.com	Priti Appa Rasal	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
karpevarsha34@gmail.com	Karpe varsha dasharth	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
pawantayade2014@gmail.com	Dr.Pavan Deorao Tayade	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता

shailajatile2014@gmail.com	शैलजा पांडुरंग टिळे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
dr.sadhnadehariya@gmail.com	डॉ . साधना डेहरिया	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
rkurre1705@gmail.com	Dr Rekha Kurre	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
dask35083@gmail.com	किरण शंकर दास	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
avishukla1771@gmail.com	अरविन्द कुमार शुक्ल	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
ajaykdbg1990@gmail.com	डा. अजय कुमार	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
amolkale227@gmail.com	अमोल नारायण काळे	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
rcs221170@gmail.com	Dr RAMCHANDER SWAMI	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
bhosale01ks@gmail.com	श्री.भोसले किरण शंकर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
nrpatel131165@gmail.com	Naranbhai R. Patel	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
aspatel1673@gmail.com	डॉ अशोककुमार शंकरलाल पटेल	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
ankushhire1234ojhar@gmail.com	Ankush Hire	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
mazharkotwal123@gmail.com	कोतवाल मजहर मकबूल	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
saurabh290493@gmail.com	Mr. Saurabh Jeph	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
kaifbmk@gmail.com	Mangrule Maheboob Sharoddin	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
geetapatel737@gmail.com	Geeta nileshchandra patel	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
nishadharaiya7979@gmail.com	Prof. Nisha Mahendrabhai Dharaiya	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
jta1584@gmail.com	Tanweer A Rashid Jahagirdar	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
drkamalkishoregupta@gmail.com	डा कमलकिशोर गुप्ता	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
nehadharaiya21189@gmail.com	Ms. Neha M. Dharaiya	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
drjmpurohit65@gmail.com	Dr. Jogeshkumar M Purohit	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
gopalgurav1781@gmail.com	Gopal Gurav	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
parshuram.om@gmail.com	डॉ. मनीष दिलीपभाई भट्ट	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
sanikakhot853@gmail.com	Sanika khot	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता
bed.vijay1981@gmail.com	डॉ विजय पाराशर	ई-प्रमाणपत्र_एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : देवनागरी लिपि का महत्त्व एवं उपयोगिता

D. P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON